प्रयोजन मूलक हिन्दी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एफ.एच.)
Post Graduate Diploma in Functional Hindi (PGDFH)

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No.	Course Code	Title of the Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits
One Year Course	557	PGDFH-01	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास	8
	558	PGDFH-02	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4
	559	PGDFH-03	व्यावहारिक अनुवादः स्तर और क्षेत्र	8
	560	PGDFH-04	समाचार– संकलन, लेखन एवं सम्पादन	8
	561	PGDFH-05	प्रशासनिक अनुवाद	8
	25024	PGDFH-06	विभिन्न सामाजिक वर्ग और लेखन	4
Total Credits				**40**

PGDFH-01

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

प्रथम खण्ड हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल

इकाई –01 काल विभाजन नामकरण

1. काल विभाजन की समस्याएँ
2. काल विभाजन के आधार
3. नामकरण के आधार
4. हिन्दी साहित्य में प्रचलित काल विभाग और नामकरण
5. आदिकाल का सीमा निर्धारण
6. आदिकाल का नामकरण
7. भक्तिकाल : काल विभाजन और नामकरण
8. रीतिकाल का सीमा निर्धारण
9. रीतिकाल नामकरण
10. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि
11. आधुनिक संवेदना के आधार

इकाई –02 आदिकाल की पृष्ठभूमि

1. आदिकाल का स्वरूप एवं महत्व
2. अपभ्रंश का स्वरूप और विकास
3. हिन्दी भाषा का विकास
4. अपभ्रंश और हिन्दी के बीच के अंतर का प्रामाणिक आधार
5. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
6. आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण

इकाई –03 सिद्ध नाथ और जैन साहित्य

1. सिद्धों का परिचय
2. सिद्ध साहित्य
3. नाथ परम्परा
4. नाथ साहित्य
5. जैन साहित्य
6. जैन साहित्य के प्रकार
7. सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परवर्ती हिन्दी के विकास में योगदान

इकाई –04 रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य

1. रासो साहित्य की प्रामाणिकता और अप्रामाणिकता
2. रासो काव्य की पृष्ठभूमि
3. रासो साहित्य में विचारणीय बिन्दु
4. रासो साहित्य में कथात्मक संरचना
5. रासो साहित्य में वीर गीत
6. रासो काव्य में अभिव्यक्ति कौशल
7. लौकिक साहित्य

द्वितीय खण्ड भक्तिकालीन साहित्य

इकाई –05 भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

1. राजनीतिक पृष्ठभूमि
2. आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि
3. धार्मिक पृष्ठभूमि
4. दार्शनिक पृष्ठभूमि
5. भक्तिकाल का उदय (विभिन्न विद्वानों के मतों की व्याख्या)
6. भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
7. दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन का उदय
8. भक्ति आंदोलन (वर्णव्यवस्था एवं नारी) आंतरिक अन्तर्विरोध

इकाई –06 निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्य धारा

1. संत शब्द का अर्थ
2. संत मत
3. संत परम्परा
4. ज्ञानमार्ग : अर्थ एवं दृष्टिकोण
5. प्रमुख संत कवि
6. प्रमुख प्रवृत्तियॉ
7. अभिव्यंजना शिल्प

इकाई –07 निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्यधारा

1. सूफी शब्द का अर्थ
2. सूफी मत और सिद्धान्त
3. प्रेमाख्यान का स्वरूप
4. सूफी काव्य की मूल प्रेरणा
5. सूफी काव्य की मूल प्रेरणा
6. सूफी प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा
7. भाव व्यंजना तथा रस निरूपण
8. सूफी रहस्यवाद
9. काव्य रूप तथा कथानक रूढ़ियॉ
10. काव्य शैली
11. काव्य भाषा, अलंकार एवं छंद विधा

इकाई –08 कृष्ण भक्ति काव्य

1. कृष्ण का विकास
2. भक्ति चिंतन
3. सगुण भक्ति
4. अष्टछाप
5. शिल्प विधान

इकाई –09 राम भक्ति काव्य

1. रामकाव्य परम्परा
2. रामकथा की प्राचीनता और विरूद्धों में सामंजस्य स्थापित करने की दृष्टि
3. राम भक्तिकाव्य और रामानन्द सम्प्रदाय
4. रामलीला परम्परा का प्रवर्तन
5. राम शक्ति भावना

6. वैष्णव शैव भक्ति आंन्दोलन और हिन्दी का भक्ति काव्य
7. हिन्दी साहित्य का भक्ति आन्दोलन : इस्लाम का प्रभाव है या प्रतिक्रिया
8. राम भक्ति काव्य के सामन्तवाद विरोधी मूल्य
9. भक्ति भावना का अर्थ सन्दर्भ
10. रामकाव्य परम्परा में लोकजीवन और लोकसंघर्ष
11. रामकाव्य में समन्वय साधना
12. तुलसी परवर्ती राम काव्य परम्परा

तृतीय खण्ड रीतिकालीन साहित्य

इकाई –10 रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार

1. रीतिकाल का नामकरण और सीमा निर्धारण
2. रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि
3. रीतिकालीन काव्य का आधार

इकाई –11 रीतिकालीन कविता का स्वरूप

1. रीतिबद्ध काव्य
2. रीतिसिद्ध काव्य
3. रीतिमुक्त काव्य
4. श्रृंगारेतर काव्य

चतुर्थ खण्ड आधुनिक साहित्य –।

इकाई –12 आधुनिक काल के साहित्य की पृष्ठभूमि

1. हिन्दी साहित्य के संदर्भ में आधुनिक काल
2. हिन्दी भाषा और गद्य का उदय
3. समाज सुधार और स्त्री स्वातंत्र्य
4. देश भक्ति और राष्ट्रवाद का विकास
5. पुनरूत्थानवाद, नवजागरण और आधुनिकता

इकाई –13 भारतेन्दु युग

1. नवजागरण और आधुनिक बोध
2. खड़ी बोली और साहित्यिक भाषा के रूप में उसका विकास
3. साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली के उपयोग का प्रारम्भ एवं विकास
4. खड़ी बोली गद्य का विकास
5. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता और साहित्य
6. भारतेन्दु युगीन गद्य साहित्य
7. भारतेन्दु युगीन कविता

इकाई –14 द्विवेदी युग

1. स्वाधीनता आंदोलन और द्विवेदी युग का मूल चरित्र
2. 'सरस्वती' और महावीर प्रसाद द्विवेदी की भूमिका
3. द्विवेदी युगीन गद्य साहित्य
4. द्विवेदी युगीन कविता

इकाई –15 छायावाद

1. स्वच्छंदतावाद और छायावाद
2. प्रवर्तन का प्रश्न
3. परिभाषा की समस्या
4. छायावाद की मूल प्रवृत्तियॉ

पंचम खण्ड आधुनिक साहित्य –।।

इकाई –16 उत्तर छायावादी कविता

1. उत्तर छायावादी काव्य की अंतर्वस्तु
2. प्रमुख धाराएं
3. राष्ट्रीय सांस्कृतिक कविता
4. प्रेम और मस्ती का काव्य
5. उत्तर छायावादी काव्यभाषा व शिल्प
6. प्रमुख कवि

इकाई –17 प्रगतिशील साहित्य

1. प्रगतिशीलता का सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य
2. प्रगतिवादी आंदोलन की पृष्ठभूमि
3. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास
4. प्रगतिशील साहित्य का उदय
5. प्रगतिशील कविता की प्रमुख प्रवृत्तियॉ
6. प्रगतिशील कविता की शिल्पगत प्रवृत्तियां

इकाई –18 प्रयोगवाद और नयी कविता

1. प्रयोगवाद
2. प्रयोगवाद से नयी कविता के संबंध की पहचान
3. प्रमुख प्रवृत्तियॉ
    1. काव्य संबंधी पुरानी अवधारणा में बदलाव
    2. लघु मानव दर्शन में नए व्यक्तित्व की खोज
    3. काव्य की अर्थभूमि का विस्तार और व्यक्ति स्वातंत्र्य पर बल
    4. अनुभूति की ईमानदारी और प्रामाणिकता
    5. रस के प्रतिमान की अप्रासंगिकता
    6. स्वाधीनता प्राप्ति के बाद का मोहभंग
    7. प्रयोग परंपरा और आधुनिकता
    8. विसंगति और विडम्बना
    9. अस्तित्ववादी और आधुनिकतावादी स्वर
    10. प्रकृति सौन्दर्य पर नई दृष्टि
    11. काव्य रूप
    12. काव्य भाषा
    13. बिंब और प्रतीकों का नयापन
    14. छंद और लय
    15. मूल्यांकन

इकाई –19 समकालीन कविता

1. समकालीन कविता : स्वरूप और दृष्टि
2. नयी कविता की रूढ़ियों से नए काव्य सृजन में मुक्ति का प्रयास
3. समकालीन कविता और राजनीति का परिदृश्य
4. समकालीनता, तात्कालिकता और परम्परा
5. समकालीन कविता में आधुनिकता का अर्थ सन्दर्भ
6. समकालीन कविता : परिदृश्य की विशालता
7. समकालीन काव्य – सृजन की मूल प्रवृत्तियॉ या विशेषताएं
8. समकालीन कविता का शिल्प पक्ष

षष्ठ खण्ड आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य

इकाई –20 हिन्दी कथा साहित्य

1. हिन्दी कहानी
2. समकालीन हिन्दी कहानी दशा एवं दिशा
3. हिन्दी कहानी में दलित चेतना
4. हिन्दी कहानी शिल्प का विकास
5. हिन्दी उपन्यास
6. हिन्दी उपन्यास में दलित चेतना
7. हिन्दी उपन्यास – शिल्प का विकास

इकाई –21 हिन्दी नाट्य साहित्य

1. आधुनिक नाटक रचना में संघर्ष एवं अंतर्द्वन्द्व
2. हिन्दी नाटक का विकास
3. नया नाटक
4. जनवादी नाटक
5. नुक्कड़ नाटक

इकाई –22 हिन्दी आलोचना

1. आधुनिक हिन्दी आलोचना की आरम्भिक स्थिति
2. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना
3. स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना
4. हिन्दी आलोचना की वर्तमान स्थिति

इकाई –23 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

1. निबंध का विकास
2. अन्य गद्य विधाएं

इकाई –24 उर्दू साहित्य यका परिचय

1. उर्दू भाषा की उत्पत्ति
2. उर्दू साहित्य लेखन पद्य
3. दिल्ली में उर्दू साहित्य का पुनःजागरण
4. नजीर अकबराबादी तथा उर्दू साहित्य में नई धारा का विकास
5. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में दिल्ली से बाहर उर्दू काव्य का विकास
6. उर्दू साहित्य में गद्य लेखन
7. उर्दू साहित्य का विकास केन्द्र : फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना एवं नयी गद्य शैली
8. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध का उर्दू गद्य साहित्य
9. स्वतंत्रता आंदोलन का प्रारंम्भिक काल एवं उर्दू काव्य
10. उर्दू साहित्य में नई विचारधाराओं का आगमन
11. उर्दू साहित्य में शोधकार्य

सप्तम खण्ड भारतीय आर्य भाषाएं

इकाई –25 विश्व की भाषाएं और भारतीय भाषा परिवार

1. संसार की भाषाएं
2. भारत के भाषा परिवार और प्रमुख भाषाएं
3. आर्यभाषा परिवार
4. द्रविड़ परिवार
5. ऑस्ट्रो एशियाई (मुंडा) परिवार
6. तिब्बती – बर्मी परिवार
7. भारतीय भाषा क्षेत्र की परिकल्पना

इकाई –26 भारोपीय परिवार और भारतीय आर्य भाषाएं

1. भारोपीय परिवार की भाषाएं
2. भारतीय आर्यभाषाएं
3. भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण
4. भारतीय आर्यभाषाओं की विशेषताएं

इकाई –27 संस्कृत से अपभ्रंश तक

1. संस्कृत
2. पालि
3. प्राकृत
4. प्राकृत
5. अपभ्रंश

इकाई –28 आधुनिक आर्य भाषाएं और हिन्दी

1. आधुनिक आर्य भाषाओं का विकास, क्षेत्र और परिचय
2. आधुनिक आर्य भाषाओं का वर्गीकरण
3. आधुनिक आर्य भाषाओं की विशेषताएं
4. हिन्दी भाषा क्षेत्र और बोलियों का विभाजन
5. बोलियों और भाषाओं की विशेषताएं

अष्टम खण्ड हिन्दी भाषा का विकास

इकाई –29 हिन्दी भाषा का प्रारंम्भिक विकास

1. प्रारंभिक हिन्दी (पुरानी हिन्दी)
2. हिंदवी / हिंदुई – साहित्यिक रूप
3. हिंदी की बोलियों का विकास
4. अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास
5. ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास
6. हिन्दी की बोलियों में अंतःसंबंध
7. खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास
8. उर्दू

इकाई –30 आधुनिक युग में हिन्दी भाषा का विकास

1. फोर्ट विलियम कालेज
2. हिन्दी की पत्रकारिता
3. राजा द्वय राजा शिव प्रसाद सिंह तथा राजा लक्ष्मण सिंह
4. भारतेन्दु युग
5. द्विवेदी युग
6. हिन्दी के बढ़ते चरण

इकाई –31 हिन्दी के बढ़ते चरण

1. संविधान में हिन्दी – प्रयोजनमूलक हिन्दी
2. हिन्दी की भूमिकाएं
3. हिन्दी भाषा का विकास
4. मानकीकरण का सवाल

इकाई –32 देवनागरी लिपि का विकास

1. लिपि क्या है?
2. प्राचीन भारत की लिपियॉ
3. ब्राहमी लिपि और देवनागरी का विकास
4. देवनागरी लिपि
5. मानक देवनागरी – स्थिति और समस्याएं

PGDFH-02
प्रयोजनमूलक हिन्दी

खण्ड–1

हिन्दी की भाषिक व्यवस्था और उसका मानक रूप

इकाई–1 मौखिक तथा लिखित भाषा
इकाई–2 लिपि– वर्तनी का मानक रूप
इकाई–3 शब्दसंपदा और उसका मानकीकरण
इकाई–4 आधारभूत वाक्य संरचना, भाषिक प्रयोग तथा मानक रूप
इकाई–5 हिन्दी भाषाः मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

खण्ड–2

प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

इकाई–6 सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी
इकाई–7 प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्तियाँ और व्यवहार क्षेत्र
इकाई–8 प्रयोजनमूलक हिन्दी : वाक्य संरचना
इकाई–9 प्रयोजनमूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली

खण्ड–3

कार्यालय हिन्दी – 1

इकाई–10 संविधान में हिन्दी और राजभाषा अधिनियम
इकाई–11 राजभाषाः स्वरूप एवं कार्यान्वयन
इकाई–12 कार्यालय हिन्दी की भाषिक प्रकृति
इकाई–13 हिन्दी की प्रशासनिक शब्दावली और भक्तिव्यक्ति

खण्ड–4

कार्यालय हिन्दी – 2

इकाई–14 प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप
इकाई–15 टिप्पण लेखन
इकाई–16 मसौदा लेखन
इकाई–17 बैठके और प्रतिवेदन
इकाई–18 संक्षेपण/सार लेखन

खण्ड–5

वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा– रूप

इकाई–19 वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा–रूप
इकाई–20 वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली
इकाई–21 पर्याय निर्धारण, शब्द निर्माण और प्रयोग
इकाई–22 वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

खण्ड–6

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई–23 जनसंचार माध्यमः विविध आयाम
इकाई–24 जनसंचार के विविध रूपः भाषिक प्रकृति
इकाई–25 समाचार लेखन और हिन्दी
इकाई–26 विज्ञापन और हिन्दी
इकाई–27 संपादन कला

खण्ड–7

अन्य प्रयुक्तियाँ

इकाई–28 वाणिज्य में हिन्दी
इकाई–29 बैंकिंग प्रणाली में हिन्दी
इकाई–30 रक्षा/सेना में हिन्दी
इकाई–31 विधि/न्याय के क्षेत्र में हिन्दी

PGDFH-03

व्यावहारिक अनुवाद : स्तर और क्षेत्र

प्रथम खण्ड **वाक्य रचना का संरचनात्मक विश्लेषण : तुलना और पुनःसृजन–।**

इकाई –01 वाक्य रचना : सामान्य परिचय (अंग्रेजी हिन्दी वाक्य)

इकाई –02 संज्ञा पदबंध

इकाई –03 **क्रिया पदबंध का स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद –।**

क्रिया पदबंध क्या है? क्रिया के पदबंध संघटक तत्व, काल और पक्ष, काल के विभिन्न रूप (वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यकाल)।

इकाई –04 **क्रिया पदबंध का स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद–।।**

'सक' वर्ग (Modals): स्वरूप और विशेषताएं ('सकना' व 'चाहिए' का अनुवाद, 'चाहिए' का नकारात्मक रूप, Used to Dare का प्रयोग), वाच्य (Voice) स्वरूप और विशेषताएं (वाच्य परिवर्तन, वाच्य परिवर्तन के सामान्य और विशिष्ट नियम, आज्ञार्थ कर्म वाच्य, सामान्यार्थ कर्मवाच्य, 'सक' वर्ग (Modals) का कर्मवाच्य, निषेधात्मक वाक्यों का कर्मवाच्य, प्रश्नवाचक वाक्यों का कर्मवाच्य, कर्मवाच्य का प्रयोग कब करें आदि।)

द्वितीय खण्ड **वाक्य रचना का संरचनात्मक विश्लेषण : तुलना और पुनः सृजन–।।**

इकाई –05 **विभिन्न प्रकार की क्रियाएं : उनकी प्रकृति, स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद –।**

योजक क्रियाएं (Linking verbs) और अनके अनुवाद, सकर्मक तथा अकर्मक क्रियाएं और उनके अनुवाद, संज्ञार्थक क्रियाएं : कृदंत (Infinitives) और उनके अनुवाद, संज्ञार्थक क्रियाएं : कृदंत (Gerunds) और उनके अनुवाद।

इकाई –06 **विभिन्न प्रकार की क्रियाएं : उनकी प्रकृति, स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद –।।**

कृदन्त (Participles)- वर्तमानकालिक (Present Participle) पूर्णकालिक (Perfect Participle) और भूतकालिक कृदन्त (Past Participle) कार्य व्यापार होते रहने का बोध कराने वाली क्रियाओं का अनुवाद, बाध्यता/वांछनीयतामूलक क्रियाएं और उनका अनुवाद, मालारूप/ श्रृंखलाबद्ध क्रियाएं (Catenative Verbs) और उनका अनुवाद, प्रेरणार्थ क्रियाएं (Causative Verbs) और उनका अनुवाद ।

इकाई –07 **उपवाक्य और समुच्चयबोधनों की भूमिका**

उपवाक्य की संरचना, तत्व, समुच्चय बोधक (Conjunctions) प्रकार, वाक्य संयोजक (Sentence Connectors) उपवाक्यों के प्रकार, शर्तसूचक वाक्य (Conditional Sentences) (अनुवाद के कुछ नमूने भी)।

इकाई –08 विशेषण, क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक अव्यय तथा उपपद (आर्टिकल्स)

तृतीय खण्ड **पर्याय चयन और जटिल वाक्य**

इकाई –09 पर्याय चयन –। (हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद के सन्दर्भ में)

इकाई –10 पर्याय चयन –।। (अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के सन्दर्भ में)

इकाई –11 जटिल वाक्यों का अनुवाद –। (अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के संदर्भ में)

इकाई –12 जटिल वाक्यों का अनुवाद–।। (हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद के संदर्भ में)

चतुर्थ खण्ड **विशिष्ट प्रयोग तथा अनुवाद**

इकाई –13 **विशिष्ट प्रयोग – I**

शब्द और शब्द संयोग, शब्द संयोगों में पर्याय चयन की सीमाएं, शब्द संयोग के पयाय के रूप में एक शब्द का प्रयोग, शब्द कोशीय अर्थ और शब्दों का प्रयोग नए शब्दों का अनुवाद, बहुप्रचलित शब्दों के पर्याय।

इकाई –14 **विशिष्ट प्रयोग – II**

अंग्रेजी में बहुवचन के प्रयोग की विशिष्टता, अंग्रेजी में वर्तमान काल के क्रिया रूप का हिन्दी में भविष्यत् काल के रूप में अनुवाद, अंग्रेजी में मितव्ययता और समांग पद, अंग्रेजी में सर्वनाम का पूर्व प्रयोग, निरपेक्ष उद्देश्य, द्वयर्थक वाक्यांश।

इकाई –15 **विशिष्ट प्रयोग– III**

कालों के क्रम का महत्व, प्रत्यक्ष और परोक्ष कथन, मुहावरेदार प्रयोग, कहावतें तथा लोकोक्तियां।

इकाई –16 **विशिष्ट प्रयोग – IV-**

शब्दों और शब्द संयोगों का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ (पत्रकारिता, कहानी, व्यंग्यलेख, जीवनी व संस्कृति विषयक लेख से उद्धरण देकर स्पष्टीकरण)।

पंचम खण्ड **सारानुवाद**

इकाई –17 सारानुवाद : स्वरूप और प्रविधि

इकाई –18 सारानुवाद के विविध पक्ष

इकाई –19 सारानुवाद : व्यवहार – I (अंग्रेजी से हिन्दी)

इकाई –20 सारानुवाद : व्यवहार – II (हिन्दी से अंग्रेजी)

षष्ठ खण्ड **आशु अनुवाद**

इकाई –21 आशु अनुवाद : स्वरूप और प्रविधि

इकाई –22 आशु अनुवाद के विविध पक्ष

इकाई –23 आशु अनुवाद : व्यवहार – I

अंग्रेजी से हिन्दी आशु अनुवाद की प्रविधि, आशु अनुवाद की व्यावहरिक समस्याएं और समाधान, ध्यातव्य बातें ।

इकाई –24 **आशु अनुवाद : व्यवहार– II**

हिन्दी से अंग्रेजी आशु अनुवाद की प्रविधि, व्यावहारिक समस्याएं, ध्यातव्य बातें।

PGDFH-04

समाचार–संकलन, लेखन एवं सम्पादन

खण्ड –1 समाचार संकलन

इकाई–1 समाचार : अर्थ, तत्व एवं स्रोत : समाचार का अर्थ, परिभाषा, तत्व (न्यूनता, सत्यता, सामीप्य, सुरुचिपूर्णता, वैयक्तिकता, संख्या और संशय), प्रकार (तात्कालिक, व्यापी) महत्वपूर्ण समाचार (अपराध, स्थानीय, डाक, रेडियो, टीवी) अपेक्षित और आकस्मिक समाचार, समाचार के स्रोत (समाचार समिति, प्रेस रिलीज, अन्य स्रोत), फालो–अप (अनुवर्तन)।

इकाई–2 रिपोर्टिंग : व्याख्यात्मक, अन्वेषणात्मक एवं अपराध, आमुख (इन्ट्रो), व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग (स्वरूप, विवेचन, परिभाषा, व्याख्यात्मक समाचार की संरचना, विशेषताएं सावधानियां), अन्वेषणात्मक रिपोर्टिंग (लक्ष्य, अनवेषी रिपोर्टर के गुण, अन्वेषी रिपोर्टर तथा कानून, पुलिस और समाज), अपराध रिपोर्टिंग और प्रेस, अपराध समाचार लेखन, अपराध समाचार के स्रोत।

इकाई–3 संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार : संवाददाता की योग्यता और उसके विविध रूप, विशेष संवाददाता, युद्ध संवाददाता, संवाददाता सम्मेलन (तैयारी ओर सावधानी, अनुसूची एवं प्रश्नावली), संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार में अन्तर।

इकाई–4 इलेक्ट्रानिक मीडिया में रिपोर्टिंग : रेडियो रिपोर्टिंग (ध्यान देने योग्य बातें, रेडियो रिपोर्टर के गुण एवं कार्य), टेलीविजन रिपोर्टिंग (रिपोर्टर के गुण, आवश्यक उपकरण, रिपोर्टिंग करते समय सावधानियां), हाट आन–लाइन समाचार, ई–जर्नलिज्म (इलेक्ट्रानिक अखबार, साइबर पत्रकारिता, वेबसाइट)।

इकाई–5 संपादक और संवाददाता : सम्पादक का स्वरूप, अवधारणा, सम्पादकीय विभाग का निर्देशन, परखशक्ति, दबाव, लोकपाल और सम्पादक, उप मुख्य सम्पादक और उप संपादक के गुण; संवाददाता : परिभाषा, महत्व, गुण

खण्ड –2 विशेषीकृत रिपोर्टिंग

इकाई–1 अपराध और न्यायालय रिपोर्टिंग : अपराध की व्याख्या, विविध रूप, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार, वैश्यावृत्ति, दंगे, अपराध रिपोर्टिंग एवं समाचार, न्यायालय : विविध रूप, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, न्यायालय के समाचार एवं स्वरूप, न्यायालय रिपोर्टिंग में सावधानियां।

इकाई–2 संसदीय रिपोर्टिंग, संसद का महत्व और उसकी रूपरेखा, संसदीय रिपोर्टिंग और उसकी सावधानियां, संसदीय कार्यवाही (प्रश्नोत्तर) : प्रश्नकाल, शून्य काल, तारांकित प्रश्न, अल्प

सूचना के प्रश्न और तारांकित प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, संसदीय कार्यवाही (विधायी) : विधेयकों पर विचार, कार्य स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, विशेष चर्चा, मत विभाजन, बजट एवं संसदीय समितियां, संसद के अन्य कार्य : संयुक्त अधिवेशन, अनुच्छेद 377 के तहत उठाये जाने वाले मुद्दे, प्रेस दीर्घा, व्यवहार सूत्र, लेखन शैली की विशिष्टता।

इकाई–3 खेल रिपोर्टिंग, इतिहास खेलों और खेल समाचारों के प्रकार; क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, अन्य खेल, खेल समाचारों की रिपोर्टिंग एवं जानकारियां, स्थानीय खेल, खेल समाचारों की भाषा, शब्दावली एवं शीर्षक, विशेषज्ञता की आवश्यकता प्रमुख, राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं एवं कुछ खेल समाचार।

इकाई–4 कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि जगत, कृषि का स्वरूप, कृषि पत्रकारिता का उद्भव विकास, ग्रामीण जीवन और कृषि पत्रकारिता, कृषि सम्बन्धित रिपोर्टिंग; विज्ञान : अवधारणा, विज्ञान की मात्रा, जीवन में वैज्ञानिक चेतना, विज्ञान पत्रकारिता; प्रौद्योगिकी : स्वरूप, विकास प्रकार जन जीवन को प्रभावित करने वाली प्रौद्योगिकी।

इकाई–5 आर्थिक, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक पत्रकारिता : भारत में आर्थिक, पत्रों की शुरुआत, विकसित और विकासशील देशों में आर्थिक पत्र, आर्थिक समाचारों के प्रकार, भारत में वाणिज्यिक पत्रकारिता; प्रकार उपयोगिता, सावधानी, भविष्य, औद्योगिक पत्रकारिता, प्रतिष्ठित : प्रतिष्ठित पत्रिकाएं, आन्तरिक जनसम्पर्क पत्रिकाएं, वाह्य जनसंपर्क एवं संयुक्त जनसम्पर्क पत्रिकाएं।

खण्ड–3 जनमाध्यमों के लिए लेखन

इकाई–1 समाचार लेखन के मूल तत्व, स्वरूप चयन के आधार : जनाकर्षण, जनरुचि, तथ्यों की पवित्रता, लीड; समाचारों की प्रस्तुति, आमुख, भाषा शैली; शीर्षक लेखन; संरचना, इलेक्ट्रानिक माध्यम में शीर्षक, समाचार कार्यालय की कार्यप्रणाली, बाक्स तथा इनसेट।

इकाई–2 फीचर की परिभाषा, प्रमुख तत्व, फीचर और समाचार, फीचर और निबन्ध, फीचर और कहानी, फीचर के प्रकार : मानव रुचि आधारित, व्यक्तित्व परक, वैज्ञानिक, पर्यटन, ऐतिहासिक व्यंग्यात्मक, चित्रात्मक, सांस्कृतिक एवं त्योहारों पर आधारित, समाचार फीचर, फीचर लेखन की कला, विशेषता, प्रभावोत्पादकता, फीचर लेखन की योग्यताएं, फीचर सामग्री का चयन।

इकाई–3 सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ, सम्पादकीय पृष्ठ की संरचना, संपादकीय/अग्रलेख, सम्पादकीय टिप्पणियां/सामयिक लेख, सम्पादक के नाम पत्र, व्यंग–विनोदात्मक स्तम्भ, सम्पादकीय पृष्ठ का लेखन, सम्पादन, महत्व एवं प्रभाव।

इकाई–4 स्वतत्र पत्रकारिता और पत्रकारिता लेखन : स्वतंत्र लेखन : क्षेत्र, विधाएं, विशेषताएं उपयोगिता, कठिनाइयां, विशिष्टता, फीचर समितियां, सफल स्वतंत्र लेखन; पत्रिका लेखन; भाषाशैली एवं प्रस्तुति, पत्रिका में फीचर का प्रस्तुतीकरण।

खण्ड –4 रेडियो एवं टीवी के लिए लेखन

इकाई–1 रेडियो समाचार, समाचार सेवा, कक्ष, रेडियो समाचार बुलेटिन के प्रकार : विशेष समाचार कार्यक्रम, विशेषताएं, समाचार प्रस्तुतिकरण : चयन, समाचार का गठन और शीर्षक निर्धारण, शैली, भाषा, संक्षिप्त नामों का प्रयोग, पद और नाम का प्रयोग, रेडियो समाचार का संकलन और सम्पादन, समाचार वाचन, समाचारों का महत्व।

इकाई–2 रेडियो के विविध कार्यक्रम, रेडियो जनसंचार का सशक्त सूचनात्मक, शैक्षणिक, मनारंजक माध्यम, रेडियो के विभिन्न कार्यक्रम : संगीत, विविध भारतीय या विज्ञापन सेवा, वार्ता तथा परिचर्चा, नाटक, रूपक, ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम, महिला, बाल एवं युवा, शिक्षा, खेल और विशेष, कार्यक्रम, समाचार एवं समसामयिक विश्व पर आधारित सेवाएं, विदेश सेवाएं, रेडियो के (प्राथमिक, राष्ट्रीय, विविध भारती, एफ.एम.,विदेश प्रसारण), चैनल, रेडियो के ध्वनि अभिलेखागार।

इकाई–3 टी.वी. चैनल्स : व्यापकता, आरम्भ, दूरदर्शन के चैनल्स, निजी नेटवर्कों के चैनल, कुछ प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, जी नेटवर्क, स्टार समूह, सोनी समूह, टी.वी.टुडे समूह, इनाड समूह, चैनलों की प्रसारण व्यवस्था : सैटेलाइट टीवी, केबल, डी.टी.एच प्रसारण, चैनलों की लोकप्रियता, लाभ : वैविध्य पूर्ण मनोरंजन, विशेषीकृत चैनलों की उपलब्धता, सही वह सत्यापित सूचनाओं की प्राप्ति; चैनलों की हानि पक्ष, नयी प्रसारण नीति और भारतीय प्रसारण व्यवस्था।

इकाई–4 टेलीविजन प्रोजक्शन, स्टूडियो प्रोडक्शन टीम, टेलीविजन प्रोडक्शन (तैयारी, प्रोजक्शन, सम्पादन) टीम के सदस्य और उनके कार्य, आधारभूत बातें, आडियो, माइक्रो फोन के प्रकार, उत्कृष्ट परिणाम के लिए स्टूडियो सेटअप, स्टूडियो की आन्तरिक प्रकाश व्यवस्था, कमाण्ड और क्यू, फिल्म : संचार के माध्यम : फिल्म गतिशील विचारों का चित्र संसार, फिल्म संसार को पार कर लेना है।

इकाई–5 फोटो एवं फिल्म, स्वतंत्र एवं समाचार फोटोग्राफी, फोटो पत्रकार, उनकी चुनौतियां, फोटो सम्पादन, संपादक; फिल्म चमत्कारी जनमाध्यम (फीचर फिल्म, वृत्त चित्र, न्यूजरील, अन्य फिल्में), भारत में फिल्में, भारतीय फिल्मों का इतिहास, मुख्यधारा, समानान्तर एवं क्षेत्रीय फिल्में, फिल्म पत्रकारिता : विषय क्षेत्र, विधाएं, फिल्म पत्रकार के लिए अपेक्षित योग्यताएं फिल्म समीक्षा।

खण्ड–5 सम्पादन

इकाई–1 सम्पादन के सिद्धांत, परिभाषा, आवश्यकता, समाचार कक्ष, सम्पादकीय कक्ष का गठन, समाचार चयन एवं निर्धारण, सम्पादन, शीर्षक, मुख्य उपसम्पादक, कापी एडीटर के गुण, कार्य, समाचार कक्ष में संदर्भ सामग्री, सम्पादन के संकेत और उनके चिन्ह।

इकाई–2 फोटो सम्पादन – नियोजित एवं स्वतंत्र फोटो पत्रकार, फोटो पत्रकारिता : मानवीय एवं तकनीकी दृष्टि, फोटो पत्रकारिता की चुनौतियां : खोजी पत्रकारिता एवं फोटोग्राफी, स्वतंत्र फोटोग्राफी और समाचार, रेखाचित्र और फोटोग्राफ, फोटोफीचर, फोटो सम्पादन प्रक्रिया : फोटो क्रापिंग, कैप्शन, प्रकाशकीय निर्देश, फोटो सम्पादन और कम्प्यूटर, फोटो सम्पादन की विशिष्टता, फोटोग्राफों का प्रेषण, समाचार फोटो एजेन्सी, फोटो लाइब्रेरी।

इकाई–3 इलेक्ट्रानिक सम्पादन : परिचय, उद्देश्य, घटक, प्रकार (आनलाइन तथा आफलाइन सम्पादन, स्ट्रेट कट एडिट, एसेम्बल और इन्सर्ट सम्पादन, ए.बी. रोल नान लीनियर सम्पादन), इलेक्ट्रानिक सम्पादन कला, सम्पादन की समग्र रणनीति ग्रिफिथ का सम्पादन सूत्र।

इकाई–4 मुद्रण एवं पृष्ठ साजसज्जा–मुद्रण तकनीक : कम्पोजिंग टाइपसेटिंग, हाथ द्वारा कम्पोजिंग, मशीन द्वारा कम्पोजिंग (लाइनोटाइप, मोनोटाइप, फोटोटाइप, लेजर टाइप सेटिंग, ब्लाक), आधुनिक मुद्रण, पृष्ठ साज–सज्जा (स्वरूप, प्रथम पृष्ठ का डिजाइन, फोकस प्रधान पृष्ठ निर्माण, सर्क सनुमा पृष्ठ निर्माण, विरोधाभास पृष्ठ निर्माण, संतुलित पृष्ठ निर्माण), साम्प्रतिक पृष्ठ निर्माण (पृष्ठ निर्माण में आधुनिकता, आधुनिक टाइप, चित्रों का प्रयोग।

इकाई–5 अनुवाद और भाषा दक्षता : अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, सिद्धांत, संक्षिप्त इतिहास, महत्व; भाषा दक्षता : सूचना जगत और हिन्दी, विज्ञापन और हिंग्रेजी, जनमाध्यम और हिन्दी, भाषा में विसंगति, वर्तनी की समस्या।

PGDFH-05

प्रशासनिक अनुवाद

प्रथम खण्ड **भाषा प्रयुक्ति की अवधारणा और अनुवाद**

इकाई –01 भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना और प्रमुख विषय क्षेत्र

इकाई –02 विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

इकाई –03 **विभिन्न प्रयुक्तियों का अनुवाद –।**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की क्षेत्र में अनुवाद, वाणिज्य के क्षेत्र में अनुवाद, प्रशासनिक अनुवाद, विधि के क्षेत्र में अनुवाद, जनसंचार माध्यमों में अनुवाद, विज्ञापनों का अनुवाद।

इकाई –04 **विभिन्न भाषा प्रयुक्तियों का अनुवाद–।।**

विज्ञान, वाणिज्य, प्रशासन, विधि, विज्ञापन एवं सामाजिक विज्ञान विषयक अनुच्छेदों का अनुवाद।

इकाई –05 सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद और तकनीकी अनुवाद से उसकी तुलना

द्वितीय खण्ड **प्रशासनिक कार्य में हिन्दी का प्रयोग और अनुवाद**

इकाई –06 कार्यालय की भाषा का स्वरूप और प्रशासनिक हिन्दी

इकाई –07 प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की भूमिका

इकाई –08 प्रशासनिक हिन्दी की चुनौतियॉ और समस्याएं

तृतीय खण्ड **प्रशासन की पारिभाषिक शब्दावली**

इकाई –09 प्रशासनिक शब्दावली

इकाई –10 सही पर्याय का चयन और समुचित वाक्य विन्यास

चतुर्थ खण्ड **विविध प्रकार की प्रशासनिक सामग्री का अनुवाद**

इकाई –11 **विभिन्न प्रकार के प्रशासनिक पत्रों का अनुवाद–।**

प्रशासनिक पत्रों के अनुवाद का आवश्यकता, प्रशासनिक पत्रों की भाषा, प्रशासनिक पत्रों में काम आने वाले प्रमुख वाक्यांश, पत्राचार के विभिन्न रूप और उनका अनुवाद (पत्र तथा पृष्ठांकन, कार्यालय ज्ञापन, ज्ञापन, अर्द्धसरकारी पत्र, अनौपचारिक टिप्पणी, अधिसूचना, कार्यालय आदेश, आदेश, परिपत्र, अनुस्मारक), सटीक पर्यायों का चयन।

इकाई –12 **प्रशासनिक पत्रों का अनुवाद–।।**

अनुवाद पूर्व अध्ययन, मंजूरी पत्रों का अनुवाद, प्रमाण पत्रों को अनुवाद, सरकारी तार (हिन्दी में तार संबंधी नियम, तारों का अनुवाद)

इकाई –13 टिप्पणी प्रारूपण और अनुवाद

इकाई –14 **फार्मों का अनुवाद –**

फार्म सरकारी कामकाज का अनिवार्य अंग, फार्म से तात्पर्य, फार्मों के अनुवाद की आवश्यकता, फार्मों के अनुवाद का स्वरूप, फार्मों के प्रकार (असांविधिक फार्म, सांविधिक फार्म) फार्मों की भाषा, फार्मों के अनुवाद में प्रयोग की जाने वाली तकनीकी शब्दावली, अभ्यास।

इकाई –15 **संसदीय प्रश्नोत्तर तथा डिबेट आदि का अनुवाद**

भारतीय संविधान में संसद का स्थान, संसद की कार्यपद्धति, संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषाएं, संसद में प्रतिदिन की कार्यवाही (प्रश्नकाल, संसदीय प्रश्नों का अनुवाद, कार्यसूची में शामिल विषयों पर चर्चा, विधेयकों का अनुवाद, विधेयक पारित करने की प्रक्रिया, विधेयक पर चर्चा, संसद में बजट पर चर्चा), संसदीय वाद विवाद का अनुवाद, संसद में अनुवाद की जाने वाली अन्य सामग्री, सारानुवाद, आशुअनुवाद, शब्दों का विशिष्ट अर्थ में प्रयोग।

पंचम खण्ड **कार्यविधि साहित्य का अनुवाद**

इकाई –16 मैनुअलों तथा रिपोर्टों का अनुवाद

इकाई –17 विधिक प्रकृति के कागजात का अनुवाद

इकाई –18 राजनयिक पत्रों एवं प्रलेखों का अनुवाद

इकाई –19 अंतर्राष्ट्रीय संधियों – समझौतों आदि का अनुवाद

षष्ठ खण्ड **बैंकिगं क्षेत्र में अनुवाद**

इकाई –20 बैंकिंग सामग्री का अनुवाद –। (ग्राहम सेवा)

इकाई –21 बैंकिंग सामग्री की अनुवाद –।। (प्रशासनिक प्रलेख)

सप्तम खण्ड **अनुवाद व्यवहार**

इकाई –22 प्रशासनिक अनुवाद की सामान्य भूलें और उनका समाधान

इकाई –23 अभ्यास –। (अंग्रेजी से हिन्दी)

इकाई –24 अभ्यास –।। (हिन्दी से अंग्रेजी)

PGDFH-06

विभिन्न सामाजिक वर्ग और लेखन

प्रथम खण्ड **बाल साहित्य**

इकाई –01 **बाल साहित्य : दिशा और दृष्टि**

बाल साहित्य का महत्व, स्वरूप, बाल साहित्य के विविध रूप, बाल साहित्य का वयोवर्गानुसार वर्गीकरण ।

इकाई –02 **बालकों के लिए कहानियॉ**

बाल कहानियॉ और अन्य कहानियॉ, आयुवर्ग के अनुसार बाल कहानियां, लेखक के जानने योग्य बातें, बाल कहानियों के प्रमुख भेद, बाल कहानी कैसे लिखें, बाल कहानियों में चित्र।

इकाई –03 **चित्र कथाएं**

आरम्भ में विकास, विभिन्न आयु वर्ग की विशेषताएं, चित्रकथा के आवश्यक तत्व, अच्छी चित्रकथा की विशेषताएं, अच्छी चित्रकथा में क्या न हो ?

इकाई –04 **बाल कविताएं**

बाल कविताएं और अन्य कविताएं : मूलभूत अन्तर, बालक, कविता तथा कवि (बालक के लिए कविता : अपरिहार्य आवश्यकता, बालक का कविता से प्रथम परिचय, परंपरागत बाल कविताएं और उसका भंडार), बालक की आवश्यकताओं के अनुरूप कविताएं, उपयुक्त कविताओं की कसौटी, बाल कविताओं के विविध रूप और उनका शिल्पविधान, बाल कविता की भाषा और शैली, बाल कविता लिखने वालों के लिए अन्य आवश्यक सूचनाएं।

द्वितीय खण्ड **किशोर साहित्य**

इकाई –05 किशोरों की समस्याएं और आवश्यकताएं

इकाई –06 **किशोर साहित्यः दिशा और दृष्टि**

किशोर साहित्य का महत्व, स्वरूप, किशोर साहित्य के विविध रूप, किशोर साहित्य की विशेषताएं।

इकाई –07 **किशोरों के लिए कथा साहित्य**

किशोरावस्था और कथा साहित्य, किशोरोपयोगी कथा साहित्य का स्वरूप, किशोरों के लिए कहानी व उपन्यास लेखन (विषय चयन, कथानक निर्माण, पात्रों और परिस्थितियों की परिकल्पना, उपन्यास की रूपरेखा, संपादन और नामकरण

इकाई –08 **किशोरों के लिए कविताएं**

किशोरों के लिए कविताओं और अन्य कविताओं में अंतर, किशोरों के लिए कविताओं का महत्व, किशोरों के लिए कविताओं का स्वरूप, प्रस्तुतीकरण/ लेखन (लेखन का उद्देश्य, विषयवस्तु का चयन, शिल्प और भाषा का चयन)

तृतीय खण्ड महिलाओं के लिए लेखन

इकाई –09 महिला लेखकों की भूमिका

पुरूष लेखकों की भूमिका, महिला लेखकों की भूमिका (मूल्य विघटन और नैतिकता के बिखरते मानदण्ड, स्त्री पुरूषः बदलते संबंध संदर्भ), महिलाओं के अनुभव – विश्व का योगदान, आन्तरिक पीड़ा और मानसिक अन्तर्द्वन्द्व की अभिव्यक्ति, महिला लेखकों की सीमाएं, भाषा और शैली।

इकाई –10 महिलाओं के लिए लेखन : दिशा और दृष्टि

महिला साहित्य का महत्व, स्वरूप, प्रेरणा एवं उद्देश्य, नारी का सामाजिक एवं राष्ट्रीय रूप, महिला साहित्य के विविध रूप।

इकाई –11 महिलाओं के लिए विषय चयन

महिलाओं के संबंध में और महिलाओं के लिए लेखन में अंतर, महिला लेखन का महत्व, महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण, महिला लेखन के विभिन्न क्षेत्र, महिला लेखन के प्रकार, महिला लेखन के लिए आवश्यक योग्यता।

इकाई –12 महिला लेखनः विषय का विकास और प्रस्तुति

विषय का चयन (रूचि एवं विशेषज्ञता, लेखन का उद्देश्य एवं प्रासंगिकता, पाठक वर्ग, प्रकाशन की प्रकृति), सामग्री का संकलन (विषय पर शोध, तथ्यों का संकलन, साक्षात्कार, फोटो तथा अन्य सामग्री, सामग्री का संयोजन , रचना का प्रस्तुति (आरंभ, मध्य व अन्त शीर्षक), भाषा शैली।

चतुर्थ खण्ड ग्रामीणों के लिए साहित्य

इकाई –13 ग्रामीणों की समस्याएं और परिवेश

ग्रामीण समाज (ग्रामीण समाज और शहरी समाज में अंतर, परिवार में भेद, युग के प्रति चेतना) ग्रामीण समाज एवं वर्गभेद, ग्रामीण जनता पर शिक्षा एवं वैज्ञानिक प्रगति का प्रभाव, स्वतंत्रता प्राप्ति एवं ग्रामीण परिवेश, भाषा एवं शैली।

इकाई –14 ग्रामीणों के लिए अनुकूल विषय चयन

ग्रामीणों के लिए साहित्य : अभिप्राय, ग्रामीणों की अपेक्षाएं, मूल्यों का शिक्षण ग्रामीण परिवेश, विभिन्न वर्ग, शिक्षा हेतु उपयोगी साहित्य, ज्ञान विज्ञान की जानकारी हेतु साहित्य, मनोरंजन हेतु साहित्य, पर्यटन साहित्य।

इकाई –15 ग्रामीण साहित्य : संप्रेषणीयता का प्रश्न

ग्रामीण साहित्य का स्वरूप और संप्रेषणीयता, ग्रामीण साहित्य की विषयवस्तु, ग्रामीण लेखन के प्रचलित साहित्य रूप, ग्रामीण लेखन की प्रस्तुति और सम्प्रेषण की समस्या (सही माध्यम के चयन की समस्या, असमान सामाजिक आर्थिक परिस्थितियॉ, संवाद के समान धरातल का अभाव, साहित्य रूपों की संश्लिष्ट प्रकृति, ग्रामीण लेखन की भाषा और रचना शिल्प), ग्रामीण साहित्य के लिए कुछ आवश्यक बातें।

इकाई –16 ग्रामीणों के लेखन के लिए प्रयुक्त भाषा शैली

ग्रामीण जीवन, साहित्य और भाषा शैली, ग्रामीण साहित्य रूप और भाषा, माध्यम की प्रकृति और भाषा का स्वरूप, भाषा शैली की दृष्टि से कुछ विचारणीय बातें।